BPSC CONCEPT WALLAH
ANUBHUTI-MAINS TEST SERIES
GS1-SEC1 (01.04.2025)

Q1**. Write a short Notes on** **Time: 1 Hour**

a) *Patna kalam*
b) *Mauryan art and architecture*
c) *Government of India Act 1935*
d) *Munda Uprising*
e) *Jai Prakash Narayan*

2. Evaluate the contribution of the Moderate nationalists in laying the foundation of the Indian freedom struggle. How did their methods and ideology shape the early phase of Indian nationalism?

or

The Quit India Movement witnessed mass upsurge across the country, but it assumed a uniquely radical and organized form in Bihar." Discuss the role of Bihar in the Quit India Movement of 1942 and how it shaped the broader freedom struggle.

3. "Jayprakash Narayan was not just a revolutionary but a visionary whose ideals transcended conventional politics." Examine his role in the Indian freedom struggle and critically assess his contributions to post-independence political thought and movements.

Or

"Critically examine the historical development of technical education in Bihar from 1813 to 1947. How did it influence the socio-economic transformation of the region during colonial rule?"

सामान्य अध्ययन पत्र-I: खंड 1

8 अंकों वाले प्रश्न

प्रश्न 1. निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए:

- पटना कलम
- मौर्यकालीन कला और स्थापत्य/वास्तुकला
- भारत शासन अधिनियम, 1935
- मुंडा विद्रोह
- जयप्रकाश नारायण

प्रश्न 2. उदारवादी चरण के महत्वपूर्ण नेताओं के योगदान का मूल्यांकन कीजिए जिन्होंने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की नींव रखी। उनके तरीके और विचारधाराओं ने भारतीय राष्ट्रवाद के प्रारंभिक चरण को किस प्रकार प्रभावित किया?

BPSC CONCEPT WALLAH

या

“भारत छोड़ो आंदोलन ने पूरे देश में एक जन आंदोलन का रूप ले लिया, लेकिन बिहार में यह एक विशेष रूप से उग्र और व्यवस्थित/संगठित रूप में सामने आया।” 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन में बिहार की भूमिका की चर्चा कीजिए और इसने स्वतंत्रता संग्राम को किस प्रकार प्रभावित किया, स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 3. “जयप्रकाश नारायण केवल एक क्रांतिकारी नहीं, बल्कि एक दूरदर्शी थे जिनके आदर्श व सिद्धांत पारंपरिक राजनीति से कहीं आगे थे।” स्वतंत्रता संग्राम में उनकी भूमिका की विवेचना कीजिए तथा स्वतंत्रता के बाद के राजनीतिक विचारों और आंदोलनों में उनके योगदान का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए।

या

“1813 से 1947 तक बिहार में तकनीकी शिक्षा के ऐतिहासिक विकास की आलोचनात्मक समीक्षा कीजिए। औपनिवेशिक शासन के दौरान इसने क्षेत्र में सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन को कैसे प्रभावित किया?”

BPSC CONCEPT WALLAH